Dr. Sangita Kumari Saha
B.A D-I (H) 1st paper,
D-I (S)

Factors influencing Perception

प्रत्यक्षण पर कई कारकों का प्रभाव पड़ता है इस क्षेत्र में किए गये अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ कि प्रत्यक्षण पर व्यक्ति के mental set, attitude, Motivation तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों का काफी प्रभाव पड़ता है। इन कारकों को निम्नांकित तीन मुख्य भागों में बाँटकर अध्ययन किया जा सकता है —

(i) Role of personal factors in perception
(ii) Role of Social factors in perception
(iii) Role of cultural factors in perception

(i) Role of Personal factors in perception

मनोवैज्ञानिकों द्वारा किये गये अध्ययनों से स्पष्ट है, कि प्रत्यक्षण में perceiver से सम्बन्धित कारकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इन कारकों की तीक्ष्णता से व्यक्ति का प्रत्यक्षण स्वभावत: प्रभावित होता है। व्यक्तिगत कारकों में ऐसे कई कारकों को सम्मिलित किया जाता है जैसे उनमें प्रत्यक्षणकर्ता की आवश्यकता, प्रत्यक्षणकर्ता के लिए वस्तु का मूल्य, प्रत्यक्षणकर्ता का मूल्यतंत्र, व्यक्तिगत शीलगुण, मानसिक वृत्ति, वस्तु का प्रत्यक्षणकर्ता के लिए Symbolic meaning आदि को प्रधान बताया है।

(1) Effect of Physiological need Psychological need upon perception →

प्राणी के अभिप्रेरण में भूख, प्यास आदि शारीरिक आवश्यकताओं तथा उपलब्धि अभिप्रेरक एवं अन्य मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं का महत्व काफी अधिक है। इन कारकों का प्रत्यक्षण पर सीधा प्रभाव पड़ता देखा गया है। व्यक्ति अपनी शारीरिक आवश्यकताओं के अनुरूप ही उद्दीपक का प्रत्यक्षण करता है। जैसे प्रसिद्ध प्रयोगात्मक मनोविज्ञानी Osgood (1953) लिखे हैं कि जब हो भोजन करने के लिए जाते तो

Ajanta Oxford

Scanned with CamScanner